एकात्म भारत के लिए
सुचेन्द्र मिश्रा द्वारा प्रकाशित

# एकात्म भारत

@EkatmaBharat
दैनिक एकात्म भारत

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष, द्वितीया
गुरूवार विक्रम संवत् 2076

जो एकात्म है वही भारत है

28 नवंबर 2019, इंदौर
e-paper : www.ekatmabharat.com

## तमिलनाडु से अयोध्या तक छतरी यात्रा की मनौती पूरा करेगी हिन्दू महासभा

**अयोध्या**

अखिल भारत हिंदू महासभा ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के पक्ष में फैसला आने पर तमिलनाडु से अयोध्या तक छतरी यात्रा निकालने की मनौती मानी थी। 5 जनवरी को शुरू हो रही यह यात्रा तमिलनाडु से शुरू होगी और अयोध्या के हनुमान गढ़ी में समाप्त होगी। तमिलनाडु से लाई गई यह छतरी हनुमान जी को अर्पित की जाएगी।

रवींद्र कुमार द्विवेदी ने कहा, 'मंदिर निर्माण के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट का निर्णय भगवान हनुमान की कृपा से ही संभव हुआ है। हिंदू महासभा ने मंदिर निर्माण के पक्ष में फैसला आने पर तमिलनाडु से हनुमानगढ़ी तक छतरी यात्रा निकालकर हनुमान जी को छतरी अर्पित करने की मनौती मानी थी। अब फैसला पक्ष में आने पर तमिलनाडु से हनुमान गढ़ी तक छतरी यात्रा निकालने की घोषणा की जाती है।'रवींद्र कुमार द्विवेदी ने बताया कि 5 जनवरी को 100 सदस्यों का दल हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी त्रिदंडी महाराज, राष्ट्रीय मंत्री दक्षिण भारत संभाग आत्माराम तिवारी और तमिलनाडु के प्रांतीय अध्यक्ष रमेश बाबू के नेतृत्व में चेन्नै से रेलमार्ग से प्रस्थान करेगा। यह दल 7 जनवरी को अयोध्या पहुंचेगा। द्विवेदी ने राम मंदिर निर्णय पर संतों को सुरक्षा दिए जाने के राज्य सरकार के निर्णय का स्वागत भी किया।

# अयोध्या में 'इक्ष्वाकु नगरी' के नाम से बसेगी नई अयोध्या, सात हजार करोड़ होंगे खर्च

**प्रदेश सरकार ने अवधपुरी में 'इक्ष्वाकु नगरी' के नाम से नई अयोध्या बसाने का प्रस्ताव तैयार किया है। नई अयोध्या का केन्द्र बिंदु राम जन्मभूमि पर बनने वाला मंदिर होगा। इसके अलावा राम मंदिर ट्रस्ट को लेकर योगी आदित्यनाथ और संघ पदाधिकारियों के बीच भी बैठक हुई।**

**नई दिल्ली**

उत्तर प्रदेश सरकार ने अवधपुरी में 'इक्ष्वाकु नगरी' के नाम से नई अयोध्या बसाने का प्रस्ताव तैयार किया है। नई अयोध्या का केन्द्र बिंदु राम जन्मभूमि पर बनने वाला मंदिर होगा। इसका विस्तार सरयू की सीमाओं के अनुसार होगा। परियोजना के पहले चरण में सात हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी में अपने दो दिवसीय प्रवास के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिन्दू परिषद के शीर्ष पदाधिकारियों से परियोजना के मुख्य बिंदुओं पर चर्चा की। राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण के शिलान्यास के साथ ही नई अयोध्या की इस परियोजना की भी घोषणा हो सकती है। मुख्यमंत्री के प्रवास के पहले दिन मंगलवार को संघ के सह कार्यवाह भैयाजी जोशी, सह सर कार्यवाह डॉ. कृष्णगोपाल और विहिप के अन्तरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष चंपत राय और संघ के क्षेत्र प्रचारक अनिल कुमार के बीच लंबी चर्चा हुई। इस दौरान प्रदेश के अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी भी मौजूद रहे। सूत्रों के अनुसार नई अयोध्या में रामायणकालीन सांस्कृतिक, राजनीतिक और सामाजिक इतिहास को विभिन्न माध्यमों से नए संदर्भों में पेश किया जाएगा। इसके लिए शोध केन्द्र, ऑडिटोरियम, गुरुकुल आदि बनाए जाएंगे। मानयता है कि सरयू का पथप्रवाह प्राचीन अयोध्या का भौगोलिक निर्धारण करता है।

यहां उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों के बीच मंगलवार देर शाम बैठक हुई। बताया जा रहा है कि इसमें अयोध्या में राम मंदिर निर्माण ट्रस्ट की रूपरेखा और इसके अध्यक्ष को लेकर मंथन किया गया। बैठक वाराणसी में अतुलानंद स्कूल में हुई। बैठक की अध्यक्षता संघ के सरकार्यवाह सुरेश भैयाजी जोशी ने की। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा की ओर से प्रतिनिधित्व किया। राम मंदिर निर्माण ट्रस्ट के लिए संघ के अभियान और इसके अध्यक्ष के चयन पर मंथन हुआ। संघ ने इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी सुझाव मांगा। सूत्रों की मानें तो ट्रस्ट का अध्यक्ष संघ से तय करने पर सहमति बनी। इसके अलावा कारसेवा की तर्ज पर गांव-गांव में अभियान चलाया जाना भी तय हुआ है। । बैठक में रामनवमी से राम मंदिर निर्माण की उम्मीद जताई गई है। साथ ही, कारसेवा की तर्ज पर देशभर के हिन्दू समाज से सहयोग की रणनीति भी बनाई गई। इस दौरान संघ के प्रांत प्रचारक रमेश, क्षेत्रीय प्रचारक अनिल, भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल, क्षेत्रीय संगठन मंत्री रत्नाकर समेत अन्य लोग मौजूद रहे। बैठक में सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद पूरे देश में शांति का माहौल बनाए रखने के लिए गांव-गांव जश्न मनाने का निर्णय लिया गया।

# हिंदू धर्म में वापसी चाहता है सलीम, पडोसियों से मिल रही धमकी

**दस साल की उम्र में माता-पिता का निधन हो जाने के बाद अनाथ हुए सुशील मुस्लिम परिवार के लालन पालन में कब और कैसे सलीम बन गया, इसका उसे पता ही नहीं चला।**

**शामली**

नगर निवासी मुस्लिम समुदाय के एक युवक ने परिवार सहित हिंदू धर्म में आने की इच्छा जताई है। उसका कहना है कि उसका जन्म हिंदू परिवार में हुआ था। माता-पिता की मौत के बाद मुस्लिम समुदाय के एक व्यक्ति ने उसका पालन-पोषण किया। अब वह घर वापसी चाहता है। शामली के मोहल्ला सरवर पीर निवासी सलीम ने कोतवाली पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि वह अपनी पत्नी और चार छोटे बच्चों सहित अपने हिंदू धर्म में वापसी करना चाहता है। इसका मोहल्ले के कुछ लोग विरोध कर रहे हैं और उसे जान से मारने की धमकी दे रहे हैं।

सलीम ने बताया कि वह मूल रुप से कैराना के मोहल्ला आर्य पुरी का रहने वाला था। उसका नाम सुशील पुत्र श्याम सिंह था। जब वह 10-12 साल का था। उसके माता-पिता की मौत हो गई थी। महज दस साल की उम्र में मां-बाप की मौत के बाद परिवार वालों ने उसे घर से निकाल दिया था। शामली के सरवरपीर मोहल्ला निवासी ट्रक चालक सबदर ने उसे पनाह देकर अपने साथ ट्रक पर रख लिया। उसका नाम भी बदलकर सुशील से सलीम कर दिया गया। कैराना के खुरगान गांव में उसका खतना कराया गया और सोलह साल की उम्र में वाजिदा पुत्री इसराईल निवासी रामगढ़ केंट झारखंड से उसका निकाह करा दिया गया। अब उसे अपने धर्म की जानकारी हुई है तो वह अपने धर्म में वापसी करना चाहता है। सलीम का कहना है कि उसे मोहल्ले वासियों से जान का खतरा है। इसलिए उसने पुलिस से सुरक्षा की मांग की है। सीओ सिटी जितेंद्र सिंह का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। सीओ का कहना है कि तहरीर मिली है। वह अगर अपनी इच्छा से धर्म में वापसी करना चाहता है तो किसी को कोई ऐतराज नहीं होना चाहिए।